NEWS CLIPPING:26.05.2022

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose University organizes Awareness Session on Social Problems

Deepti
info@impressivetimes.com

FARIDABAD: The newly formed Alternative Counselling and Mediation Cell (ACMC) of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, today organized an awareness session on 'Win- Win Solutions to Social Problems: Mediation, Counselling and Conflict Management'. The ACMC has been constituted to address the pressing socio-psychological issue of bullying. The Managing

Director of Bharat Valves Pvt Ltd and President, DLF industries, Sh JP Malhotra was Guest of Honour in the Program while Advocate of Supreme Court of India, Sh Jeetender Gupta delivered the keynote address focusing on Meditation. The session was presided over by the

> HE ALSO STATED THE SIGNIFICANCE OF MEDIATION AND SAID THAT MEDIATION NEVER FAILS. EARLIER, THE CONVENOR OF THE CELL DR DIVYAJYOTI SINGH, ASSOCIATE PROFESSOR INFORMED THAT ACMC HAS BEEN INITIATED UNDER THE GUIDANCE OF VICE-CHANCELLOR PROF. SK TOMAR AND REGISTRAR DR SUNIL GARG AIMED AT ADDRESSING INDIVIDUAL CONCERNS AND BUILDING EMPATHY BEYOND GENDER BOUNDARIES.

Chairperson Electronics Dr Pradeep Dimri. Addressing the program, JP Malhotra shared his experience of leading business while handling crises and emphasized upon numerous problem-solving techniques. In his keynote address by Advocate Sh Jeetender Gupta focused on campus issues as well as perennial social problems like feuds and disputes. Mediation is an alternative remedy that is affordable, time-saving effective and solution -oriented, he added. He also stated the significance of mediation and said that mediation never fails. Earlier, the convenor of the Cell Dr Divyajyoti Singh, Associate Professor informed that ACMC has been initiated under the guidance of Vice-Chancellor Prof. SK Tomar and Registrar Dr Sunil Garg aimed at addressing individual concerns and building empathy beyond gender boundaries. The Cell would address issues beyond gender-specific problems offering both specific and general guidance. The Cell members include Psychiatrists, counsellors, health experts, advocates and entrepreneurs. The program was well coordinated by the organizing team members including Sh Bharat Bhushan, Ms Mamta Bansal and Ms Pooja Chhabra.

NEWS CLIPPING:26.05.2022

DAINIK JAGRAN

अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है विवि

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय को इंटरैक्शन नेटवर्क की प्रणाली विकसित करने एवं विश्लेषण करने के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक गैर सोशल नेटवर्क डोमेन उपयोगकर्ताओं को जानकारी और उसका विश्लेषण करने के लिए एक सोशल मीडिया प्लेटफार्म की तरह काम करेगी।

पेटेंट का आइडिया विश्वविद्यालय की चार सदस्यीय टीम द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें तीन संकाय सदस्य और एक शोध छात्र शामिल थे। कुलपति प्रो.एसके तोमर और कुलसचिव डा.एसके गर्ग ने अनुसंधान क्षेत्र में उपलब्धि पर टीम को बधाई दी है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और अप्लाइड रिसर्च पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस शोध टीम के सदस्यों में शोधार्थी अतुल श्रीवास्तव के अलावा संकाय सदस्यं डा.अनुराधा पिल्लई, डा. दीपिका पुंज और प्रो आशुतोष दीक्षित शामिल हैं।

पेटेंट में प्रस्तुत आइडिया : पैरामीटरयुक्त क्रालर प्रोग्राम का उपयोग करके वर्ल्ड वाइड वेब से जानकारी एकत्र करता है और वेब पेजों की संरचना की तरह एक सामाजिक नेटवर्क तैयार करता है, जिसे इंटरैक्शन नेटवर्क कहा जाता है। पेटेंट के बारे में विस्तार से बताते हुए डा.अनुराधा पिल्लई ने बताया कि सोशल नेटवर्क की संरचना व्यवहार विश्लेषण के लिए बहुत उपयुक्त है। सोशल नेटवर्क एनालिसिस (एसएनए) की तकनीक पहले से ही विकसित है और उपयोग की जा रही हैं जो बहुत प्रभावी और उपयोगी हैं।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:26.05.2022

AAJ SAMAJ

जानकारी

गैर सोशल नेटवर्क डोमेन को सोशल नेटवर्क में बदलने में मदद करता है इंटरैक्शन नेटवर्क सिस्टम

जेसी बोस विश्वविद्यालय के इंटरैक्शन नेटवर्क सिस्टम को पेटेंट मिला

- पेटेंट का आइडिया विश्वविद्यालय की 4 सदस्यीय टीम द्वारा तैयार किया गया
- 3 संकाय सदस्य और एक शोध छात्र शामिल

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद को इंटरैक्शन नेटवर्क की प्रणाली विकसित करने एवं विश्लेषण करने के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से, प्रत्येक गैर सोशल नेटवर्क डोमेन उपयोगकताओं को जानकारी और उसका विश्लेषण करने के लिए एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगी।

पेटेंट का आइडिया विश्वविद्यालय की चार सदस्यीय टीम द्वारा तैयार किया गया था जिसमें तीन संकाय सदस्य और एक शोध छात्र शामिल थे। कुलपति प्रो एसके तोमर और कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने अनुसंधान क्षेत्र में उपलब्धि पर टीम को बधाई दी है। प्रो. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और एप्लाइड रिसर्च पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस शोध टीम के सदस्यों में शोधार्थी अतुल श्रीवास्तव के अलावा संकाय सदस्य डॉ अनुराधा पिल्लई, डॉ दीपिका पुंज और प्रो आशुतोष दीक्षित शामिल हैं।

पेटेंट में प्रस्तुत आइडिया पैरामीटरयुक्त क्रॉलर प्रोग्राम का उपयोग करके वर्ल्ड वाइड वेब से जानकारी एकत्र करता है और वेब पेजों की संरचना की तरह एक सामाजिक नेटवर्क तैयार करता है, जिसे इंटरेक्शन नेटवर्क कहा जाता है। पेटेंट के बारे में विस्तार से बताते हुए डॉ पिल्लई ने बताया कि सोशल नेटवर्क की संरचना व्यवहार विश्लेषण के लिए बहुत उपयुक्त है।

सोशल नेटवर्क एनालिसिस (एसएनए) की तकनीकें पहले से ही विकसित है और उपयोग की जा रही हैं जो बहुत प्रभावी और उपयोगी हैं। लेकिन, इन तकनीकों का उपयोग उस डोमेन पर नहीं किया जा सकता है जहां डेटा की संरचना सोशल नेटवर्क के समान नहीं है।

इंटरैक्शन नेटवर्क सिस्टम एक ऐसे डोमेन के डेटा को प्रोसेस करने के लिए ट्रांसफॉर्मर की तरह काम करेगा जो स्वाभाविक रूप से सोशल नेटवर्क नहीं है और इसे सोशल नेटवर्क की तरह दर्शाता है। इस प्रकार, इंटरेक्शन नेटवर्क किसी भी पारंपरिक सोशल नेटवर्क के समान व्यवहार करेगा। उन्होंने कहा कि इस इंटरैक्शन नेटवर्क का उद्देश्य डेटा एनालिटिक्स के लिए वेब पर उपलब्ध जानकारी का उपयोग करना है।

अतुल श्रीवास्तव व डॉ दीपिका पुंज एवं प्रो आशुतोष दीक्षित व डॉ अनुराधा पिल्लई।

NEWS CLIPPING:26.05.2022

PUNJAB KESARI

वाईएमसीए को इंटरेक्शन नेटवर्क की प्रणाली विकसित करने एवं विश्लेषण करने के लिए पेटेंट दिया

फरीदाबाद, (पंजाब केसरी)। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए को इंटरेक्शन नेटवर्क की प्रणाली विकसित करने एवं विश्लेषण करने के लिए पेटेंट दिया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से हर गैर सोशल नेटवर्क डोमेन उपयोगकर्ताओं को जानकारी और उसका विश्लेषण करने के लिए एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगा। पेटेंट का आइडिया विश्वविद्यालय की चार सदस्यीय टीम ने तैयार किया था। इसमें शोधार्थी अतुल श्रीवास्तव के साथ संकाय सदस्य डॉ. अनुराधा पिल्लई, डॉ. दीपिका पुंज और प्रो. आशुतोष दीक्षित शामिल रहे। कुलपति प्रो. एसके तोमर और कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने अनुसंधान क्षेत्र में उपलब्धि पर टीम को बधाई दी है।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। वहीं एप्लाइड रिसर्च पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जानकारी देते हुए टीम ने बताया कि ये आइडिया पैरामीटरयुक्त क्रॉलर प्रोग्राम का उपयोग करके वर्ल्ड वाइड वेब से जानकारी एकत्र करता है और वेब पेजों की संरचना की तरह एक सामाजिक नेटवर्क तैयार करता है, जिसे इंटरेक्शन नेटवर्क कहा जाता है। पेटेंट के बारे में विस्तार से बताते हुए डॉ. पिल्लई ने बताया कि सोशल नेटवर्क की संरचना व्यवहार विश्लेषण के लिए बहुत उपयुक्त है।

NEWS CLIPPING:26.05.2022

AMAR UJALA

जेसी बोस विश्वविद्यालय

नेटवर्क सिस्टम के लिए मिला पेटेंट

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए को इंटरेक्शन नेटवर्क की प्रणाली विकसित करने एवं विश्लेषण के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से गैर सोशल नेटवर्क डोमेन उपयोगकर्ताओं को जानकारी और उसका विश्लेषण करने के लिए एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगी। पेटेंट का आइडिया विश्वविद्यालय की चार सदस्यीय टीम द्वारा तैयार किया गया था जिसमें तीन संकाय सदस्य और एक शोध छात्र शामिल था।

कुलपति प्रो. एसके तोमर और कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने अनुसंधान क्षेत्र में उपलब्धि पर टीम को बधाई दी है। प्रो. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। शोध टीम के सदस्यों में शोधार्थी अतुल श्रीवास्तव के अलावा संकाय सदस्य डॉ. अनुराधा पिल्लई, डॉ. दीपिका पुंज और प्रो. आशुतोष दीक्षित शामिल हैं। पेटेंट में प्रस्तुत आइडिया पैरामीटरयुक्त क्रॉलर प्रोग्राम का उपयोग करके 'वर्ल्ड वाइड वेब' से जानकारी एकत्र करता है। संवाद

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:26.05.2022

PIONEER

सामाजिक समस्याओं को लेकर जागरुकता सत्र आयोजित

जेसी बोस विश्वविद्यालय के वैकल्पिक परामर्श एवं मध्यस्थता प्रकोष्ठ द्वारा जागरुकता सत्र का हुआ आयोजन

कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते अतिथि।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के नवगठित वैकल्पिक परामर्श एवं मध्यस्थता प्रकोष्ठ (एसीएमसी) द्वारा आज 'सामाजिक समस्याओं के लिए समाधान-मध्यस्थता, परामर्श और विवाद प्रबंधन' विषय पर जागरुकता सत्र का आयोजन किया। इस प्रकोष्ठ का गठन भयभीत करने वाले सामाजिक-मनोवैज्ञानिक मुद्दों के समाधान के लिए किया गया है।

जागरुकता सत्र में भारत वाल्व्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और डीएलएफ उद्योगों के अध्यक्ष जेपी मल्होत्रा सम्मानित अतिथि थे, जबकि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता जीतेन्द्र गुप्ता मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिक्स के अध्यक्ष डॉ प्रदीप डिमरी ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेपी मल्होत्रा ने विभिन्न विवादों से निपटने के अपने अनुभव को साझा किया और कई समस्या-समाधान तकनीकों पर बल दिया। एडवोकेट श्री जीतेन्द्र गुप्ता ने कहा कि मध्यस्थता एक वैकल्पिक उपाय है जो किफायती, समय बचाने वाला और समाधान उन्मुख है। उन्होंने मध्यस्थता के महत्व को भी बताया और कहा कि मध्यस्थता कभी विफल नहीं होती। इससे पहले प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ दिव्यज्योति सिंह ने बताया कि इस प्रकोष्ठ की शुरुआत कुलपति प्रो. एसके तोमर और कुलसचिव डॉ सुनील कुमार गर्ग के मार्गदर्शन में की गई है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत तनाव को दूर करना और लैंगिक सीमाओं से हटकर सहानुभूति उत्पन्न करना है। यह प्रकोष्ठ विशिष्ट और सामान्य दोनों तरह समस्याओं के समाधान के लिए काम करेगा। प्रकोष्ठ के सदस्यों में मनोचिकित्सक, परामर्शदाता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, अधिवक्ता और उद्यमी शामिल हैं। इस सत्र का संचालन आयोजन समिति के सदस्यों भारत भूषण, ममता बंसल और पूजा छाबड़ा द्वारा किया गया।

NEWS CLIPPING:26.05.2022

PIONEER

जेसी बोस विवि के 'इंटरेक्शन नेटवर्क' सिस्टम को पेटेंट मिला

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद को इंटरैक्शन नेटवर्क की प्रणाली विकसित करने एवं विश्लेषण करने के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से, प्रत्येक गैर सोशल नेटवर्क डोमेन उपयोगकर्ताओं को जानकारी और उसका विश्लेषण करने के लिए एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगी। पेटेंट का आइडिया विश्वविद्यालय की चार सदस्यीय टीम द्वारा तैयार किया गया था जिसमें तीन संकाय सदस्य और एक शोध छात्र शामिल थे। कुलपति प्रो. एस.के. तोमर और कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने अनुसंधान क्षेत्र में उपलब्धि पर टीम को बधाई दी है। प्रो. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और एप्लाइड रिसर्च पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस शोध टीम के सदस्यों में शोधार्थी अतुल श्रीवास्तव के अलावा संकाय सदस्य डॉ अनुराधा पिल्लई, डॉ दीपिका पुंज और प्रो आशुतोष दीक्षित शामिल हैं। पेटेंट में प्रस्तुत आइडिया पैरामीटरयुक्त क्रॉलर प्रोग्राम का उपयोग करके 'वर्ल्ड वाइड वेब' से जानकारी एकत्र करता है और वेब पेजों की संरचना की तरह एक सामाजिक नेटवर्क तैयार करता है, जिसे इंटरेक्शन नेटवर्क कहा जाता है। पेटेंट के बारे में विस्तार से बताते हुए डॉ पिल्लई ने बताया कि सोशल नेटवर्क की संरचना व्यवहार विश्लेषण के लिए बहुत उपयुक्त है।

NEWS CLIPPING:26.05.2022

REPCO NEWS

सामाजिक समस्याओं के समाधान को लेकर जागरूकता सत्र का आयोजन

फरीदाबाद, 25 मई (रैपको न्यूज़)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के नवगठित वैकल्पिक परामर्श एवं मध्यस्थता प्रकोष्ठ (एसीएमसी) द्वारा आज 'सामाजिक समस्याओं के लिए समाधान - मध्यस्थता, परामर्श और विवाद प्रबंधन' विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस प्रकोष्ठ का गठन भयभीत करने वाले सामाजिक-मनोवैज्ञानिक मुद्दों के समाधान के लिए किया गया है।जागरूकता सत्र में भारत वाल्व्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और डीएलएफ उद्योगों के अध्यक्ष श्री जेपी मल्होत्रा सम्मानित अतिथि थे, जबकि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री जीतेन्द्र गुप्ता मुख्य वक्ता रहे। सत्र की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिक्स के अध्यक्ष डॉ प्रदीप डिमरी ने की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेपी मल्होत्रा ने विभिन्न विवादों से निपटने के अपने अनुभव को साझा किया और कई समस्या-समाधान तकनीकों पर बल दिया।

एडवोकेट श्री जीतेन्द्र गुप्ता ने कहा कि मध्यस्थता एक वैकल्पिक उपाय है जो किफायती, समय बचाने वाला और समाधान उन्मुख है। उन्होंने मध्यस्थता के महत्व को भी बताया और कहा कि मध्यस्थता कभी विफल नहीं होती।इससे पहले प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ दिव्यज्योति सिंह ने बताया कि इस प्रकोष्ठ की शुरुआत कुलपति प्रो. एसके तोमर और कुलसचिव डॉ सुनील कुमार गर्ग के मार्गदर्शन में की गई है, जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत तनाव को दूर करना और लैंगिक सीमाओं से हटकर सहानुभूति उत्पन्न करना है। यह प्रकोष्ठ विशिष्ट और सामान्य दोनों तरह समस्याओं के समाधान के लिए काम करेगा। प्रकोष्ठ के सदस्यों में मनोचिकित्सक, परामर्शदाता, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, अधिवक्ता और उद्यमी शामिल हैं। इस सत्र का संचालन आयोजन समिति के सदस्यों भारत भूषण, ममता बंसल और पूजा छाबड़ा द्वारा किया गया।

जेसी बोस विश्वविद्यालय के इंटरैक्शन नेटवर्क सिस्टम को पेटेंट मिला

फरीदाबाद, 25 मई (रैपको न्यूज़)। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद को इंटरैक्शन नेटवर्क की प्रणाली विकसित करने एवं विश्लेषण करने के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से, प्रत्येक गैर सोशल नेटवर्क डोमेन उपयोगकर्ताओं को जानकारी और उसका विश्लेषण करने के लिए एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगी। पेटेंट का आइडिया विश्वविद्यालय की चार सदस्यीय टीम द्वारा तैयार किया गया था जिसमें तीन संकाय सदस्य और एक शोध छात्र शामिल थे।

कुलपति प्रो. एस.के. तोमर और कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने अनुसंधान क्षेत्र में उपलब्धि पर टीम को बधाई दी है। प्रो. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और एप्लाइड रिसर्च पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस शोध टीम के सदस्यों में शोधार्थी अतुल श्रीवास्तव के अलावा संकाय सदस्य डॉ अनुराधा पिल्लई, डॉ दीपिका पुंज और प्रो आशुतोष दीक्षित शामिल हैं।

पेटेंट में प्रस्तुत आइडिया पैरामीटरयुक्त क्रॉलर प्रोग्राम का उपयोग करके 'वर्ल्ड वाइड वेब' से जानकारी एकत्र करता है और वेब पेजों की संरचना की तरह एक सामाजिक नेटवर्क तैयार करता है, जिसे इंटरेक्शन नेटवर्क कहा जाता है।

पेटेंट के बारे में विस्तार से बताते हुए डॉ पिल्लई ने बताया कि सोशल नेटवर्क की संरचना व्यवहार विश्लेषण के लिए बहुत उपयुक्त है। सोशल नेटवर्क एनालिसिस (एसएनए) की तकनीकें पहले से ही विकसित है और उपयोग की जा रही हैं जो बहुत प्रभावी और उपयोगी हैं। लेकिन, इन तकनीकों का उपयोग उस डोमेन पर नहीं किया जा सकता है जहां डेटा की संरचना सोशल नेटवर्क के समान नहीं है। इंटरैक्शन नेटवर्क सिस्टम एक ऐसे डोमेन के डेटा को प्रोसेस करने के लिए ट्रांसफॉर्मर की तरह काम करेगा जो स्वाभाविक रूप से सोशल नेटवर्क नहीं है और इसे सोशल नेटवर्क की तरह दर्शाता है। इस प्रकार, इंटरेक्शन नेटवर्क किसी भी पारंपरिक सोशल नेटवर्क के समान व्यवहार करेगा।

उन्होंने कहा कि इस इंटरैक्शन नेटवर्क का उद्देश्य डेटा एनालिटिक्स के लिए वेब पर उपलब्ध जानकारी का उपयोग करना है।